राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद

(विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग)

नवोन्मेष
एवं
स्टेम
(विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित)
प्रदर्शन

विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार गतिविधियां देश में लोगों के सोचने, व्यवहार करने और उनके जीवन की विभिन्न घटनाओं का जवाब देने के तरीके को आकार देने की दिशा में गति प्राप्त कर रही हैं। वैज्ञानिक मनोवृत्ति निर्णय लेने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद (एनसीएसटीसी) विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी की बेहतर समझ के जरिये विज्ञान और समाज के बीच की खाई को पाटने के लिए वैज्ञानिक प्रवृत्ति विकसित करने एवं जागरूकता पैदा करने की दिशा में काम कर रही है।

राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद विज्ञान और प्रौद्योगिकी बड़े पैमाने पर जागरूकता के लिए ऑडियो-विजुअल कार्यक्रमों, फिल्मों, सीडी, प्रकाशनों आदि सहित विभिन्न सॉफ्टवेयर सामग्रियों का उत्पादन करता है। परिषद विज्ञान मेलों, प्रदर्शनियों, मोबाइल विज्ञान प्रदर्शनियों, व्याख्यान प्रदर्शनों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों का दौरा, प्रायोगिक विज्ञान गतिविधियों आदि के लिए बड़ी संख्या में परियोजनाओं को प्रायोजित कर रही है।

परिणाम फ्रेमवर्क दस्तावेज 2011-12 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार और लोकप्रियता में प्रदर्शन परियोजनाओं पर जोर दिया गया है। अब राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद में विज्ञान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन घटक को मजबूत करने की योजना है। यह प्रौद्योगिकी संचार को बढ़ावा देने और समाज में तकनीकी प्रवृत्ति के निर्माण के हमारे अधिदेश को सुदृढ़ करेगा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रौद्योगिकी संचार और प्रदर्शन में एनसीएसटीसी की भूमिका को बढ़ाने की दृष्टि से प्राप्त, सृजित और मूल्यांकन किए जा रहे प्रस्तावों की विषय-वस्तु, रूप, प्रभाव और संबंधित नीतिगत मामलों पर मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक समर्पित तकनीकी सलाहकार समिति "विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी प्रदर्शन" का गठन किया गया है।

निगरानी, मार्गदर्शन और समीक्षा: भौतिक और वित्तीय प्रगति और तकनीकी सामग्री की बारीकी से निगरानी की जाती है। एनसीएसटीसी और इसके नामित विशेषज्ञ जनादेश के साथ कार्यान्वयन और उद्देश्यों को पूरा करने का मार्गदर्शन करते हैं। अपेक्षित कालावधि (वार्षिक, अंतरिम/आवश्यकता आधारित और अंतिम) के आधार पर अंतिम परिणाम की ऑन-साइट समीक्षा/समूह समीक्षा/मूल्यांकन आमंत्रित किए जाते हैं। अनुमोदित प्रयोजनों के लिए निधियों का संतोषजनक उपयोग, उद्देश्यों (मूल/संशोधित) का अनुपालन और सहायता अनुदान के और नियम एवं शर्तें तथा अनुदान की अगली किस्त जारी करना आपस में जुड़े हुए हैं।

क्षेत्र में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार गतिविधियों और नीति स्तर के परिवर्तनों के लिए अखिल भारतीय समर्थन की सिफारिश के साथ एक तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) गठित की गई है।

संघटन

क्र.स.	**नाम और संगठन**	
1.	प्रोफेसर चित्रा नटराजन, डीन, एचबीसीएसई फैकल्टी, होमी भाभा सेंटर फॉर साइंस एजुकेशन, वी.एन. पूरव रोड, मान खुर्द, मुंबई - 440088	अध्यक्ष
2.	मेजर जनरल आर सनन, महासचिव, इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), कोलकाता	सदस्य
3.	श्री आर एल नायक, वरिष्ठ संरक्षक, राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली- 110011	सदस्य
4.	डॉ. एके बिसारिया, आईएफएस, मुख्य वन अनुसंधान एवं शिक्षा संरक्षक, पी.बी.-5, झांसी रोड, ग्वालियर, म.प्र.	सदस्य
5.	श्री पी.सी. शर्मा, कार्यकारी निदेशक (एनसीटीआई) और महाप्रबंधक (आईटीपीओ), भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन, प्रगति मैदान, नई दिल्ली – 110001	सदस्य
6.	प्रोफेसर सौदान सिंह, महानिदेशक (चिकित्सा शिक्षा और प्रशिक्षण), उत्तर प्रदेश सरकार, छठी मंजिल, जवाहर भवन, अशोक रोड, लखनऊ	सदस्य
7.	डॉ प्रेम सागर (वैज्ञानिक जी, सेवानिवृत्त), ग्राम - जगापुर मिश्रा, पीओ बैरी बीसा, जिला - एस आर एन भदोही- 221303, उत्तर प्रदेश	सदस्य
8.	डॉ. अनिल मिश्रा, प्रमुख, साइक्लोट्रॉन एंड रेडियोफार्मास्यूटिकल्स साइंसेज डिवीजन, आईएनएमएएस, डीआरडीओ, एसके मजूमदार रोड, तिमारपुर, नई दिल्ली	सदस्य
9.	प्रोफेसर एच.एस. सिंह, जूलॉजी विभाग, चौ.चरण सिंह मेरठ विश्वविद्यालय, मेरठ, उत्तर प्रदेश	सदस्य
10.	डॉ. एबीपी मिश्रा, वैज्ञानिक 'सी', डीएसटी	सदस्य सचिव

संदर्भ की शर्तें:

i) नवाचार और एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) प्रदर्शन में नए प्रस्तावों और संचार पहलों पर विचार करना और सिफारिश करना, जिसमें हैंड्स-ऑन साइंस, डू-इट-योरसेल्फ पद्धतियां, स्थिर और मोबाइल प्रदर्शनियां, सिद्ध प्रौद्योगिकियों का डेमो / प्रदर्शन, विज्ञान मेलों-मेलों-जत्थों, छात्रों के विज्ञान और प्रौद्योगिकी / औद्योगिक दौरे, छात्र प्रेरणा गतिविधियां आदि शामिल हैं।

ii) क्षेत्र में नई पहलों पर विचार-विमर्श करना।

iii) ऐसी क्षेत्रीय परियोजनाओं और पहलों की प्रगति की समीक्षा पर मार्गदर्शन प्रदान करना।

iv) विस्तृत कार्य योजना तैयार करना और परियोजना को पूरी ताकत और प्रभावशीलता के साथ विकसित करना।

v) राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा प्रभावी कार्यनीतियों और तंत्रों को तैयार करने की सुविधा प्रदान करना।

vi) अन्य संसाधन संगठनों, अनुसंधान केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों और विज्ञान आधारित स्वैच्छिक संगठनों के साथ संबंध विकसित करने के लिए सलाहकार-सह-संवर्धन तंत्र के रूप में कार्य करना।

vii) समिति अपनी बैठकों में आमंत्रित विशेषज्ञों को सह-चयन कर सकती है।

viii) आवश्यकता पड़ने पर तकनीकी सलाहकार समिति अतिरिक्त विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सकता है।

कार्यकाल: 2 साल, और अगले आदेश तक।

प्रस्ताव प्रस्तुतिकरण: एनसीएसटीसी प्रारूप (http://www.dst.gov.in/scientific-programme/Guidelines_NCSTC_revised.pdf) में प्रस्तावों का पूरे वर्ष स्वागत किया जाता है। सभी निर्धारित दस्तावेजों की हार्ड कॉपी के अलावा प्रस्ताव की सॉफ्ट कॉपी (एमएस वर्ड फाइल) भी भेजी जाए।

कार्यक्रम प्रभारी और समन्वयक:

डॉ. ए.बी.पी. मिश्रा वैज्ञानिक 'सी' (एनसीएसटीसी)

apmishra@nic.in

दूरभाष 011-26866675, 26590325

अनुलग्नक- I

आई-एसटीईएम प्रदर्शन में महत्व वाले क्षेत्र

(ए) प्रदर्शनियां/मेले: ये आयोजन, चाहे स्थिर हों या मोबाइल, प्रदर्शनियों के विभिन्न पहलुओं में एनसीएसटीसी द्वारा प्रशिक्षित/प्रशिक्षित किए जा रहे विषेशज्ञों की विशेषज्ञता का उपयोग करने का काम करते हैं। उनके पास हो सकता है –

विभिन्न प्रकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विषयों पर विभिन्न प्रकार के प्रदर्शन स्टाल जैसे कि पर्यावरण विषय (जैसे जलवायु परिवर्तन), स्वास्थ्य, चमत्कारों के पीछे विज्ञान, वर्मिनकम्पोस्टिंग, खिलौनों में विज्ञान; जिसमें आर्थिक प्राणीविज्ञान, आर्थिक वनस्पति विज्ञान, नृवंशविज्ञान, नृवंशविज्ञान आदि जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

कठपुतली - एक शो देखें, एक संवाद स्क्रिप्ट करें (उदाहरण के लिए कक्षा 9 के छात्रों के लिए गैलीलियो वार्ता के 10 मिनट में 10 एक्सचेंज), कठपुतली बनाना ...

छात्र गतिविधि स्टाल - पहेली, गणितीय खेल / गतिविधियों को हल करें, एक अच्छा प्रश्न पूछें, 10 मिनट का डिज़ाइन / रीडिज़ाइन करें, विषम को स्पॉट करें, भविष्य खींचें, क्विज़, पेंटिंग, आदि।

स्टालों के रूप में प्रस्तावित विषयों पर स्किट्स और स्ट्रीट प्ले, जैसे नुक्कड़ नाटक

उन्हें बड़ी संख्या में लोगों को (i) विज्ञान और प्रौद्योगिकी मुद्दों, (ii) दैनिक जीवन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी, (iii) अत्याधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए उजागर करना चाहिए।

बी) वैज्ञानिक कैरियर विकल्प: छात्रों को अत्याधुनिक वैज्ञानिक अवधारणाओं, भारत की क्षमताओं, उनके कैरियर विकल्पों से अवगत कराने और छात्रों को विज्ञान में करियर बनाने के लिए प्रेरित करने का काम करते हैं।

(बी) औद्योगिक दौरे: वे बड़ी संख्या में छात्रों (आमतौर पर 13 से 18 वर्ष की आयु), और शिक्षकों को उनके आसपास की प्रौद्योगिकियों के लिए उजागर करते हैं। इस तरह की यात्राएं उन्हें प्रौद्योगिकियों से संबंधित विज्ञान सीखने और विज्ञान और प्रौद्योगिकी में करियर लेने के लिए प्रेरित करती हैं, छात्रों को अपने पर्यावरण / परिवेश को डिजाइन और फिर से डिजाइन करने के लिए प्रेरित करती हैं।